

डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम

प्रलिमि्स के लिये:

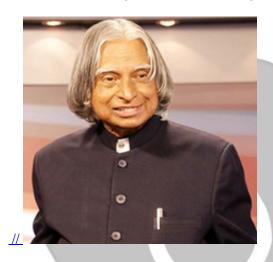
डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम, पुरा (ग्रामीण क्षेत्रों को शहरी सुविधाएं प्रदान करना),

मेन्स के लिये:

डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम, महत्वपूर्ण व्यक्तति्व।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में प्रधानमंत्री ने <u>पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अबदुल कलाम</u> को उनकी 90वीं जयंती पर श्रद्धांज<mark>ल</mark>ि दी।



डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम

परचियः

- ॰ डॉ. ए. पी. जे. अब्<mark>दुल कलाम का</mark> जन्म 15 अक्तूबर, 1931 को तमलिनाडु के रामेश्वरम में हुआ था।
- उनकी जयंती को राष्ट्रीय नवाचार दिवस और विश्व छात्र दिवस के रूप में मनाया जाता है।
- ॰ उन्होंने <mark>बर्ष 1954 में</mark> सेंट जोसेफ कॉलेज, त्रिची से विज्ञान में स्नातक की उपाधि प्राप्त की और वर्ष 1957 में मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (MIT) से वैमानिकी इंजीनियरिंग में विशेषज्ञता हासिल की ।

The Vision

- ॰ वह भारत और विदेशों से 48 विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों से मानद डॉक्टरेट प्राप्त करने के अद्वितीय सम्मान के साथ भारत के सबसे प्रतिष्ठिति वैज्ञानिकों में से एक हैं।
- ॰ उन्होंने वर्ष 2002 में भारत के 11वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली और वर्ष 2007 में पूरा कार्यकाल पूरा किया।
- o उन्होंने कई सफल मिसाइलों के निर्माण के लिये कार्यक्रमों की योजना बनाई, जिससे उन्हें "भारत का मिसाइल मैन" कहा जाता है।

प्राप्त पुरस्कारः

॰ उन्हें प्रतिष्ठिति नागरिक पुरस्कार - पद्म भूषण (1981) और पद्म विभूषण (1990) तथा सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार **भारत रत्न (1997)** से सम्मानित किया गया।

साहति्यिक रचनाएँ:

॰ "विग्स ऑफ फायर", "इंडिया 2020 - ए विजन फॉर द न्यू मिलेनियम", "माई जर्नी" और "इग्नाइटेड माइंड्स - अनलीशिग द पावर इन इंडिया", "इंडोमेबल स्परिटि", "गाइडिंग सोल्स", "एनविजिनिंग ए एम्पावर्ड नेशन" , "प्रेरणादायक विचार" आदि । ॰ 27 जुलाई 2015 शलांग, मेघालय में उनकी मृत्यु हो गई।

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम का योगदान:

= योगदान:

- ॰ 'फाइबरग्लास' तकनीक में अग्रणी
 - वह '**फाइबरग्लास' प्रौद्योगिकी** के क्षेत्र में अग्रणी थे और उन्होंने <u>इसरों</u> में इसे डिज़ाइन करने तथा इसके विकास कार्य को शुरू करने हेतु एक युवा टीम का नेतृत्त्व किया था, जिससे 'कंपोज़िट रॉकेट मोटर' का निर्माण संभव हो पाया।
- सैटेलाइट लॉन्च व्हींकल (SLV-3):
 - उन्होंने भारत के पहले स्वदेश<u>ी 'सैटेलाइट लॉन्च वहीकल' (SLV-3)</u> को विकसित करने हेतु परियोजना निदेशक के रूप में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया, जिसने जुलाई 1980 में 'रोहिणी उपग्रह' का <u>नियर-अर्थ ऑर्बिट</u> में सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया और भारत को स्पेस क्लब का एक विशेष सदस्य बनाया।
 - वह इसरो के प्रक्षेपण यान कार्यक्रम, विशेष रूप से PSLV कॉन्फगिरेशन के विकास हेतु उत्तरदायी थे।
- स्वदेशी निर्देशित मिसाइलें:
 - इसरो में दो दशकों तक काम करने और प्रक्षेपण यान प्रौद्योगिकियों में महारत हासिल करने के बाद उन्होंने 'रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन' में स्वदेशी निर्देशित मिसाइलों को विकसित करने की ज़िम्मेदारी ली।
 - वह 'एकीकृत निर्देशित मिसाइल विकास कार्यक्रम' (IGMDP) के मुख्य कार्यकारी थे।
 - उन्होंने परमाणु ऊर्जा विभाग के सहयोग से सामरिक मिसाइल प्रणालियों और पोखरण-द्वितीय परमाणु परीक्षणों का नेतृत्त्व किया, जिसने भारत को एक परमाणु हथियार संपन्न राष्ट्र बना दिया।
- प्रौद्योगिकी विज़न 2020:
 - वर्ष 1998 में उन्होंने <u>'टेक्नोलॉजी विजन-2020'</u> नामक एक देशव्यापी योजना को सामने रखा, जिसे उन्होंने 20 वर्षों में भारत को 'अलप-विकसित' से विकसित समाज में बदलने के लिये एक रोडमैप के रूप में पेश किया।
 - े योजना में अन्य उपायों के अलावा कृषि उत्पादकता में वृद्धि, <mark>आ</mark>र्थिक <mark>विकास</mark> के वाहक के रूप में प्रौद्योगिकी पर ज़ोर देना और स्वास्थ्य देखभाल एवं शिक्षा तक पहुँच को व्यापक ब<mark>नाना भी शामिल है ।</mark>
- चिकति्सा और स्वास्थ्य सेवा:
 - एपीजे अबुदुल कलाम ने हृदय रोग विशेषज्ञ बी. सोमा राजू के <mark>सहयोग से</mark> कोरो<mark>नरी</mark> हृदय रोग के लिय 'कलाम-राजू-स्टेंट' विकसित किया, जिससे स्वासथ्य सेवा सभी के लिये सुलभ हो पाई।
 - इस उपकरण से भारत में आयातित कोरोनरी सुटेंट की कीमतों में 50% से अधिक की कमी आई है।
- लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट प्रोजेक्ट:
 - वे लाइट कॉमबैट एयरकराफट परोजेक्ट से विशेष रूप से जुड़े हुए थे।
 - वह एवियोनिक्स से जुड़े हुए थे। वह लड़ाकू विमान उड़ाने वाले पहले भारतीय राष्ट्राध्यक्ष भी बने।
- ॰ अन्य
- उन्होंने 'PURA' (प्रोवाइडिंग अर्बन एमेनिटीज़ टू रूरल एरियाज़) के माध्यम से ग्रामीण समृद्धि सुनिश्चित करने पर ज़ोर दिया, जिसमें विज्ञान और प्रौद्योगिकी की महत्त्वपूर्ण भूमिका अभिकल्पित की गई थी।
- अपने विविधि अनुभवों के आधार पर उन्होंने 'विश्व ज्ञान मंच' की अवधारणा का प्रचार किया, जिसके माध्यम से 21वीं सदी की चुनौतियों के लिये संगठनों और राष्ट्रों की मुख्य दक्षताओं को नवप्रवर्तन एवं समाधान तथा उत्पाद बनाने हेतु समन्वित किया जा सकता है।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. "जहाँ हृदय में शुचिता है, वहाँ चरित्र में सुन्दरता है । जब चरित्र में सौन्दर्य है, तब घर में समरसता है। जब घर में समरसता है, तब राष्ट्र में सुव्यवस्था है । जब राष्ट्र में सुव्यवस्था है, तब विश्व में शांति है।" - ए. पी. जे. अब्दुल कलाम **(2019)**

प्रश्न. "अगर किसी देश को भ्रष्टाचार मुक्त होना है और सुन्दर मन वाले लोगों का देश बनाना है, तो मेरा दृढ़तापूर्वक मानना है कि तीन प्रमुख सामाजिक सदस्य यह कर सकते हैं। वे पिता, माता और शिक्षक हैं।" - ए.पी.जे. अब्दुल कलाम. (2022)

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/dr-a-p-j-abdul-kalam